पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़

(छ,ग, भाासन के अधिनियम क्रमांक 26 सन् 2004 द्वारा स्थापित)
कोनी – बिरकोना मार्ग, बिलासपुर (छ,ग,) 495009 दूरभाष क्रमांक : (07752) 240715
www.pssou.ac.in E-mail-registar@pssou.ac.in

पाठ्यक्रम

बी.एड.

VERIFIED
REGISTRAR
Pt. Sunderlal Sharma (Open)
University Chhattisgarh
BILASPUR (C.G.)

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

VERIFIED

REGISTRAR
Dr. Sudershi Sharma (Dean)
University Chanasgadh
BILASPUR (C.G.)

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
BILASPUR (C.G.)

बी.एड. प्रथम वर्ष

प्रश्न पत्र – प्रथम

शिक्षा के परिप्रेक्ष्य

इकाई 1 – शिक्षाः अर्थ, प्रकृति, उद्देश्य, रूप

शिक्षा का अर्थ एवं प्रकृति, शिक्षा की परिभाषा, शिक्षा का संकुचित अर्थ, शिक्षा का व्यापक अर्थ, शिक्षा की प्रकृति, शिक्षा का उद्देश्य, शिक्षा के प्रकार या रूप –औपचारिक शिक्षा, अनौपचारिक शिक्षा, निरौपचारिक शिक्षा, शिक्षा एवं मूल्य, मूल्य, मूल्यों की प्रकृति या विशेषताएं, मूल्यों का वर्गीकरण, प्राचीन भारतीय जीवन मूल्य, वर्तमान भारतीय समाज के मूल्य, मूल्य शिक्षा की आवश्यकता, मूल्य शिक्षा में परिवार की भूमिका, मूल्य शिक्षा में समुदाय/ समाज की भूमिका, मूल्यों के विकास में विद्यालय की भूमिका।

इकाई 2 – प्राचीन भारतीय दर्शन एवं शिक्षा

दर्शनः अर्थ, परिभाषा, प्रकार, दर्शन के विषय वस्तु, न्याय दर्शन, न्याय दर्शन की मुख्य दर्शनिक मान्यताएं, न्याय दर्शन एवं शिक्षा का उद्देश्य, न्याय दर्शन एवं पाठ्क्रम, न्याय दर्शन एवं शिक्षण विधियां, न्याय दर्शन एवं विद्यालय, वैशेषिक दर्शन, वैशेषिक दर्शन के मुख्य दार्शनिक विचार, वैशेषिक दर्शन एवं शिक्षा का उद्देश्य, वैशेषिक दर्शन एवं पाठ्यक्रम, वैशेषिक दर्शन एवं शिक्षण विधि, गुरू शिष्य संबंध, सांख्य दर्शन, सांख्य दर्शन की मुख्य दार्शनिक विचार, सांख्य दर्शन एवं शिक्षा का उद्देश्य, सांख्य दर्शन एवं पाठ्यक्रम, सांख्य दर्शन एवं शिक्षण विधियां, सांख्य दर्शन एवं विद्यालय, योग दर्शन, योग दर्शन तथा शिक्षा का उद्देश्य, योग दर्शन तथा पाठ्यक्रम, योग दर्शन तथा शिक्षण विधियां, योग दर्शन तथा अनुशासन, मीमांसा दर्शन, मीमांसा दर्शन के मुख्य दार्शनिक विचार, मीमांसा दर्शन तथा शिक्षा के उद्देश्य, मीमांसा दर्शन तथा पठ्यक्रम, मीमांसा दर्शन तथा शिक्षण विधियां, मीमांसा दर्शन तथा अनुशासन, अद्वैत वेदान्त दर्शन, शंकराचार्य की ब्रह्म संबंधी अवधारणायें, वेदांत दर्शन तथा शिक्षा के उद्देश्य, वेदांत दर्शन एवं पाठ्यक्रम, वेदांत दर्शन एवं शिक्षण विधियां, वेदांत दर्शन एवं शिक्षक, वेदांत दर्शन एवं विद्यार्थी, वेदांत दर्शन एवं अनुशासन, वर्तमान समय में वेदांत की प्रासंगिकता, बौद्ध दर्शन, बौद्ध दर्शन की मुख्य दार्शनिक मान्यताएं, बौद्ध दर्शन एवं शिक्षा का उद्देश्य, बौद्ध दर्शन एवं पाठ्यक्रम, बौद्ध दर्शन एवं शिक्षण विधियां, बौद्ध दर्शन एवं शिक्षक, बौद्ध दर्शन एवं विद्यार्थी, बौद्ध दर्शन की वर्तमान में प्रासंगिकता, जैन दर्शन, जैन दर्शन की मुख्य दार्शनिक मान्यताएं, जैन दर्शन तथा शिक्षा के उद्देश्य, जैन दर्शन तथा पाठ्यक्रम, जैन दर्शन तथा शिक्षक, जैन दर्शन एवं विद्यार्थी, शिक्षण विधि, अनुशासन।

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

इकाई 3 – प्रमुख भारतीय चिन्तकों का शिक्षा में योगदान

महात्मा गांधी का भारतीय शिक्षा में दोगदान, श्री अरविन्द का शिक्षा में योगदान, स्वामी विवेकानन्द का शिक्षा में योगदान, रविन्द्र नाथ टैगोर का शिक्षा में योगदान, डॉ. जाकिर हुसैन का शिक्षा में योगदान, गिजू भाई का शिक्षा में योगदान, जे. कृष्णमूर्ति का शिक्षा में योगदान।

इकाई 4 – पाश्चात विचारकों का योगदान

प्लेटो का शिक्षा में योगदान, अरस्तु का शिक्षा में योगदान, फ्रोबेले का शिक्षा में योगदान, मारिया मॉन्टेसरी का शिक्षा में योगदान, रूसो का शिक्षा में योगदान, डीवी का शिक्षा में योगदान, पाउली फ्रेरे शिक्षा में योगदान, देकार्ते शिक्षा में योगदान, एनी बीसेंट शिक्षा में योगदान।

बी.एड. प्रथम वर्ष

प्रश्न पत्र – द्वितीय

बाल्यावस्था एवं विकास

इकाई 1 – मानव विकास

वृद्धि एवं विकास, वृद्धि एवं विकास में अंतर, वृद्धि एवं विकास के सिद्धांत, विकास के सिद्धांतों का शैक्षिक महत्व, विकास के करण, विकास को प्रभावित करने वाले कारक, विकास के विभिन्न आयाम, मानव विकास कि अवस्थाएं, शैशवावस्था, शैशवावस्था की मुख्य विशेषताएं, शैशवावस्था में विकास – शारीरिक विकास, सामाजिक विकास, मानसिक विकास, चारित्रिक विकास, शैशवावस्था में शिक्षा का स्वरूप, बाल्यावस्था क्या है?, बाल्यावस्था की मुख्य विशेषताएं, बाल्यावस्था में विकास – शारीरिक विकास, सामाजिक विकास, मानसिक विकास, संवेगात्मक विकास, बाल्यावस्था में शिक्षा का स्वरूप, किशोरावस्था, किशोरावस्था में मुख्य विशेषताएं – शारीरिक विकास, सामाजिक विकास, मानसिक विकास, संवेगात्मक विकास, चारित्रिक विकास, किशोरावस्था में शिक्षा का स्वरूप।

इकाई 2 – अधिगमकर्ता का विकास एवं अवबोध

संवेगात्मक विकास से तात्पर्य, पियाजे का संज्ञानात्मक विकास का सिद्धांत, पियाजे के संज्ञानात्मक विकास का शैक्षिक महत्व, वायगोत्सकी का सामाजिक सांस्कृतिक सिद्धांत, वायगोत्सकी सिद्धांत की मुख्य अवधारणएं, वायगोत्सकी एवं शिक्षा, कोहेलबर्ग का नैतिक विकास का सिद्धांत, कोहेलबर्ग के नैतिक विकास के सिद्धांत के स्तर एवं चरण, कोहेलबर्ग के नैतिक विकास का सिद्धांत का शैक्षिक महत्व, इरिक इरिक्सन का मनोसामाजिक विकास का सिद्धांत, इरिक्सन की आठ अवस्थायें, इरिक्सन के मनोसामाजिक विकास सिद्धांत का शैक्षिक महत्व।

इकाई 3 – समावेशी शिक्षा को बढ़ाना

अधिगम संदर्भ में विविधता, समावेशी शिक्षा का अर्थ, परिभाषाएं, समावेशी शिक्षा की विशेषताएं, समावेशी शिक्षा का उद्देश्य, समावेशी शिक्षा की आवश्यकताएं, सभी बालकों के लिए समावेशी शिक्षा का लाभ, अधिगम कला एवं अधिगम आवश्यकताओं में विविधता, विविधता क्या है, व्यक्तिगत भिन्नता के आधार पर अभिक्षमता, समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए व्यावहारिक सुझाव, प्रवेश, भाषा व सामाजिक विविधता, विशेष आवश्यकता वाले बच्चे, विशिष्ट बालकों के प्रकार, विभिन्न प्रकार के विशिष्ट बालकों की आवश्यकताएं, विशिष्ट बालकों के लिए सरकारी नीतियां, समावेशन की समझ, समावेशित वातावरण में शिक्षण की

VERIFIED
Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

भूमिका, कक्षा कक्ष अधिगम परिस्थिति का अनुकूलन, अध्यापक द्वारा कक्षा कक्ष में प्रयोग किए जाने वाले प्रविधियां।

इकाई 4 – व्यक्तिक भिन्नता

व्यक्तिक भिन्नता की परिभाषा, व्यक्तिक भिन्नता के प्रकार – अधिगम शैली संबंधी भेद, अभिरूचि संबंधी भेद, अभिवृत्ति संबंधी भेद, महत्वकांक्षा संबंधी भेद, मूल्य संबंधी भेद, मनोगतिकी कौशल संबंधी भेद, स्वभाव संबंधी भेद, व्यक्तित्व संबंधी भेद, बुद्धिलधि संबंधी भेद, बहु–बुद्धि सिद्धांत, उपलब्धि संबंधी भेद, संवेग संबंधी भेद, व्यक्तिक भिन्नता का वितरण, व्यक्तिक भिन्नता के जननिक आधार – वातावरण, अनुवांशिकता/अनुवांशिकी, शारीरिक स्वास्थ्य, वुद्धि एवं विकास, परिपक्वता, पृष्ठभूमि, लिंग भेद, व्यक्तिक भिन्नता ज्ञात करने की विधियाँ, व्यक्तिक भिन्नता का शैक्षिक महत्व, व्यक्तिगत भिन्नता का शैक्षिक निहितार्थ।

बी.एड. प्रथम वर्ष

प्रश्न पत्र – तृतीय

समकालीन भारतीय शिक्षा एवं समाज

इकाई 1 – भारतीय शिक्षा का विकास

भारतीय शिक्षा का इतिहास एवं वर्तमान स्वरूप, भारतीय शिक्षा का उद्‌गम, प्राचीन भारतीय शिक्षा के उद्‌देश्य, वैदिककालीन शिक्षा प्रणाली की संरचना एवं संगठन, बौद्धकालीन शिक्षा प्रणाली की संरचना एवं संगठन, मुस्लिम काल या मध्य युगीन शिक्षा प्रणाली की संचना एवं संगठन, बुनियादी शिक्षा।

इकाई 2 – सांगठनिक एवं प्रशासनिक संरचना

शिक्षा प्रशासन के अभिकरण, मानव संसाधन और विकास मंत्रालय, शिक्षा के केन्द्र तथा राज्य स्तरीय प्रमुख अभिकरण – विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, ब्लॉक संसाधन केन्द्र और क्लस्टर संसाधन केन्द्र, शैक्षिक प्रशासन, शैक्षिक प्रबंधन, शैक्षिक नेतृत्व, विद्यालय प्रबंधन, विद्यालय पुस्तकालय, छात्रावास, प्रयोगशाला, समय–सारणी, अनुशासन, विद्यालय बजट, सह–पाठ्यक्रम गतिविधियाँ।

इकाई 3 – समकालीन भारत एवं शिक्षा

भारतीय समाज में विविधिता – भौगोलिक दशाओं में विभिन्नताएं, धार्मिक विभिन्नताएं, भाषा संबंधी विभिन्नताएं, जनसंख्यात्मक विभिन्नताएं, सांस्कृतिक विभिन्नताएं, विविधता : छत्तीसगढ़ के विशेष संदर्भ में – भौगोलिक विविधता, सामाजिक–सांस्कृतिक विविधता, धार्मिक विविधता, कक्षा में विविधता – खान–पालन में विविधता, भाषा में विविधता, जीवन शैली में विविधता, सांस्कृतिक विविधता, सामाजिक प्रस्थिति में विभिन्नता, आर्थिक विभिन्नता, व्यक्तित्व में विभिननता, कक्षा में विविधता एवं शिक्षक, विद्यालय : एक सामाजिक इकाई के रूप में, विद्यालय जीवन में लोकतंत्र – प्राचार्य, अध्यापक एवं अन्य कर्मचारी, शिक्षक एवं विद्यार्थी का संबंध, कक्षा नियंत्रण, साझा उत्तरदायित्व, विद्यालय का सामाजिक वातावरण – शिक्षक–शिक्षार्थी संबंध, प्राचार्य एवं अन्य संबंध, समाज में अध्यापक की भूमिका – विषय विषशज्ञ के रूप में, प्रविधि विषेशज्ञ के रूप में, चरित्र प्रशिक्षक के रूप में, परामर्शदाता के रूप में, एक प्रशासक के रूप में, एक प्रबंधक के रूप में, समाज के एक सदस्य के रूप में, समाजशास्त्रियों के विचार – कार्ल मार्क्स, मैक्स वेबर, पैरी बोर्डयू, अमर्त्य सेन।

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

इकाई 4 – समकालीन शैक्षिक विमर्श

भारत में विभिन्न शिक्षा आयोग, शिक्षा–नीतियां एवं उनकी अनुशंसा, भारतीय संविधान, भारतीय संविधान का अर्थ, भारतीय संविधान का सफर, भारतीय संविधान की विशेषताएं, भारतीय संविधान में शिक्षा संबंधी नीतियाँ एवं शैक्षिक प्रावधान, भारत में शिक्षा के लिए विभिन्न सरकारी योजनाएँ – सर्वशिक्षा अभियान, मध्याह्न भोजन योजना, महिला समाख्या योजना, मदरसों में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करने की योजना, राष्ट्रिय माध्यमिक शिक्षा अभियान, बालिका छात्रावास योजन, माध्यमिक शिक्षा के लिए लड़कियों को प्रोत्साहन की राष्ट्रिय योजना, माध्यमिक स्तर पर विकलांगों के लिए समावेशी शिक्षा की योजना, अन्य राष्ट्रीय छात्रवृत्ति योजनाएँ।

VERIFIED

बी.एड. प्रथम वर्ष

प्रश्न पत्र – चतुर्थ

शिक्षा में सूचना एवं संचार तकनीकी

इकाई 1 – शैक्षिक तकनीकी व सूचना एवं संचार तकनीकी : परिचय

शैक्षिक तकनीकी, शैक्षिक तकनीकी की बुनियादी अवधारणा,शैक्षिक तकनीकी की परिभाषा एवं विशेषताएं,शैक्षिक तकनीकी के उद्देश्य,शैक्षिक तकनीकी का क्षेत्र,व्यवहार तकनीकी, अनुदेशन तकनीकी,शिक्षण तकनीकी,अनुदेशन प्रारूप, प्रशिक्षण मनोविज्ञान प्रारूप,सम्प्रेषण नियंत्रण प्रारूप, प्रणाली उपागम, शैक्षिक तकनीकी का सामान्य कार्य क्षेत्र, शैक्षिक तकनीकी के उपागम,शैक्षिक तकनीकी प्रथम – हार्डवेयर उपागम, शैक्षिक तकनीकी द्वितीय – सॉफ्टवेयर उपागम, शैक्षिक तकनीकी तृतीय – प्रणाली उपागम, शैक्षिक तकनीकी का महत्व, शैक्षिक तकनीकी की उपयोगिता,शैक्षिक तकनीकी के लाभ एवं सीमाऐं, सूचना एवं संचार तकनीकी – अर्थ परिभाषा एवं विशेषताऐं, संचार प्रक्रिया, संचार के तत्व, संचार के प्रकार, सूचना एवं संचार तकनीकी के उद्देश्य,सूचना एवं संचार तकनीकी का क्षेत्र, सूचना एवं संचार तकनीकी की आवश्यकता, सूचना एवं संचार तकनीकी के प्रमुख साधन, कम्प्यूटर सह अनुदेशन, कम्प्यु टर सह अनुदेशन की मान्यताऐं, विशेषताऐं, प्रविधियां, प्रकियां,सीमाऐं, भाषा प्रयोगशाला की आवश्यकता,उपकरण, प्रकोष्ठ एवं प्रकिया,भाषा प्रयोगशाला के लाभ एवं सीमाऐं।

इकाई 2 – शिक्षण तकनीकी : विधियाँ, नियम सिद्धान्त तथा प्रक्रियायें

शिक्षण नीतियाँ, विधियाँ एवं प्रविधियां, प्रमुख शिक्षण विधियाँ, व्याख्यान विधि, व्याख्यान सह प्रदर्शन विधि, प्रदर्शन विधि, प्रोजेक्ट विधि, दत्तकार्य विधि, वार्तालाप विधि, अनुवर्ग विधि, प्रश्नोत्तर विधि, मस्तिष्क विप्लव, शिक्षण की प्रविधियां, शिक्षण के स्तर, स्मृति स्तर, बोध स्तर, चिन्तन स्तर, सूक्ष्म शिक्षण, परिभाषा एवं विशेषताऐं, सूक्ष्म शिक्षण चक्र, सूक्ष्म शिक्षण के लाभ एवं सीमाऐं,शिक्षण कौशल, प्रस्तावना कौशल, उद्दीपन परिवर्तन कौशल, प्रश्न प्रेरणा या खोजक प्रश्न कौशल, व्याख्या कौशल, पुनर्बलन कौशल, दृष्टांत कौशल,श्याम पट कौशल, शिक्षण सम्बन्धी नियम एवं सिद्धांत, शिक्षण सम्बधी प्रमुख नियम, शिक्षण सम्बधी सिद्धांत, शिक्षण सूत्र, क्रियायें, क्रियात्मक अनुसंन्धान, परिभाषा एवं विशेषताऐं, क्रियात्मक अनुसंन्धान के विभिन्न सोपान, क्रियात्मक अनुसंन्धान के क्षेत्र,अनुसंन्धान हेतु उपयुक्त उपकरण, क्रियात्मक अनुसंन्धान का उदाहरण।

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

इकाई 3 – अभिक्रमित अनुदेशन एवं प्रणाली उपागम

अभिक्रमित अनुदेशन, परिभाषाऐं, अभिक्रमित अनुदेशन की विशेष्ताएं, अभिक्रमित अनुदेशन के प्रमुख सिद्धांत, अभिक्रमित अनुदेशन के मूल तत्व, अभिक्रमित अनुदेशन की आवश्यकता अथवा कार्यक्षेत्र, अभिक्रमित अनुदेशन के प्रकार, रेखीय अभिक्रमित अनुदेशन, रेखीय अभिक्रमित अनुदेशन की संरचना अथवा स्वरूप, अभिक्रमित अनुदेशन में पदों के प्रकार, रेखीय अभिक्रमित अनुदेशन की विशेषताएं, रेखीय अभिक्रमित अनुदेशन की सीमाएं, शाखीय अभिक्रमित अनुदेशन, शाखीय अभिक्रमित अनुदेशन की प्रक्रिया, शाखीय अभिक्रमित अनुदेशन के मूलभूत सिद्धांत, शाखीय अभिक्रमित अनुदेशन के व्यवहारिक नियम, शाखीय अभिक्रमित अनुदेशन की अवधारणाएं, शाखीय अभिक्रमित अनुदेशन का स्वरूप, शाखीय अभिक्रमित अनुदेशन की विशेषताएं, शाखीय अभिक्रमित अनुदेशन की सीमाऐं, संगणक सह अनुदेशन, संगणक सह अनुदेशन की मान्यताऐं, संगणक सह अनुदेशन की विशेषताऐं, संगणक सह अनुदेशन के प्रकार, संगणक सह अनुदेशन की सीमाऐं, मैथेटिक्स अभिक्रमित अनुदेशन, मैथेटिक्स अभिक्रमित अनुदेशन की अवस्थाऐं, मैथेटिक्स अभिक्रमित अनुदेशन के उद्देश्य, मैथेटिक्स अभिक्रमित अनुदेशन की विशेषताऐं, मैथेटिक्स अभिक्रमित अनुदेशन की सीमाऐं, अभिक्रमित अनुदेशन के लाभ, अभिक्रमित अनुदेशन की सीमाऐं, अभिक्रमित अनुदेशन के उपयोग, प्रणाली उपागम, प्रणाल उपागम का अर्थ एवं परिभाषाऐं, प्रणाली उपागम की विशेषताऐं, प्रणाली उपागम के मूलभूत तत्व,शिक्षा में प्रणाली उपागम का प्रयोग,शिक्षा में प्रणाली उपागम के पद, प्रणाली उपागम के लाभ, प्रणाली उपागम की सीमाऐं।

इकाई 4 – कम्प्यूटर का सामान्य परिचय तथा सूचना एवं संचार तकनीकी का शिक्षा में प्रयोग

विषय विवेचन, कम्प्यूटर का अर्थ एवं परिभाषा, कम्प्यूटर का विकास, कम्प्यूटर के प्रकार, विशेषताएँ, कम्प्यूटर और उसमें जुड़े यंत्रों के प्रयोग का कार्यात्मक ज्ञान, कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर,आपरेटिंग सिस्टम साफ्टवेयर,अनुप्रयोग साफ्टवेयर,यूटिलिटी साफ्टवेयर, माइक्रो सॉफ्ट ऑफिस, एम. एस. वर्ड., एम. एस. एक्सेल, एम. एस. पावर पाइंट,पेज मेकर, पेन्ट ब्रश, कम्प्यूटर के शैक्षिक उपयोग, आई.सी.टी. का शिक्षा में बहुआयामी उपयोग, शिक्षण अभिगम प्रक्रिया एवं सूचना एवं संचार तकनीकी, कक्षा का रचनात्मक अधिगत वातावरण निर्माण, व्यावसायिक निर्देशन एवं परामर्श, विद्यालयीन प्रबन्धन, शैक्षिक नवाचार, बहु माध्यम उपागम, कम्प्युटर सह अनुदेशन, इन्टरनेट, ईमेल,ई– पोर्टफोलियों, ई–लर्निंग, एम. लर्निंग, ऑनलाइन कॉन्फेन्सिंग, मूडल, मूक, वर्चुअल क्लास रूम, ई– रिसोर्सेस,स्मार्ट क्लस रूम।

बी.एड. प्रथम वर्ष

प्रश्न पत्र – पंचम

अंग्रेजी शिक्षण

(Teaching of English)

Unit 1 - Understanding Language

Concept and Need of Language, Language is Vocal and Verbal, Language is a system, Language is Complex, , Language is a means of Communication, Language is Arbitrary, Language is Ubiquitous, Language is Symbolic, Language is Social, Characteristics of Language, Language Learning and Language Acquisition, Theories of Language Origin, Divine Origin Theory, The 'Bow-Bow Theory, The 'Pooh-Pooh Theory, The 'Yo-he-ho' Theory, The 'Ta-Ta Theory, The 'La-la' Theory, Theories of Language Acquisition, Behaviouristic Theory of Language Acquisition, Nativist Theory of Language Acquistion, Cognitive Theory of Language Acquistion, Socio Interactionist Theory of Language Acquistion.

Unit 2- Position of English in India

History of English in Pre-independent India, Charter Act 1813, Controversy Between Orientalist and Anglicist, Macaulay Minute 1835-Brief Understanding, What is the Appropriate way to the money?, What shall be the language?, What should be taught?, What should be the Agency?, Who will have Autonomy?, Wood's Dispatch 1854, Indian Education Commission 1882, History of English in Pre-Independent India: Political, Social and intellectual Context, Political context in English, Social context of English, Intellectual context of English, Constitutional Provisions of English, Three Language Formula, Importance of English in India. Language of National and International importance, Window to the World, English as library language, Language of Science and Technology, Languagy of Social Status.

Unit 3 - Methods and Approaches

Methods, Approaches and technique, Some Indices of good method and Approach of teaching of English, Objectives of teaching English Prose, Poetry, Grammar and Composition,

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-1
PSSOU, CG Bilaspur

Writing instructional objectives, Lesson Planning: Prose, Poetry, Grammar and Composition.

Unit 4 - Concept of Test and Testing

Concept of Test and Testing, Assessment and Measurement, Continuous and Comprehensive Evaluation (CCE), Types of Evaluation: Placement, Formative, Diagnostic and Summative, Teacher made test Vs Standardized test.

बी.एड. प्रथम वर्ष
प्रश्न पत्र – पंचम्
हिन्दी शिक्षण

इकाई 1 – भाषा का स्वरूप

हिंदी शिक्षण के उद्देश्य, भाषा का स्वरूप, हिंदी शिक्षण के उद्देश्य, मातृभाषा, भाषा का अर्थ, भाषा का महत्व, विभिन्न शिक्षा समितियों के रिपोर्ट में भाषा प्रथम भाषा एवं द्वितीय भाषा के रूप में हिन्दी शिक्षण के उद्देश्य आवश्यकता, हिन्दी शिक्षण के संरचनात्मक उपागम।

इकाई 2 – हिन्दी के विविध रूप

संविधान में हिन्दी, व्यवहार में हिन्दी के विविध रूपमानक भाषा, भाषा एवं बोली में अंतर, हिन्दी की पाठ्यचर्या, हिन्दी के पाठयक्रम एवं हिन्दी की पाठ्य सामग्री तीनों का अर्थ एवं विशलेषण एवं आपसी संबंध, नवीन शिक्षण प्रणाली एवं भाषा शिक्षण, भाषा प्रयोगशाला एवं भाषा शिक्षण, शैक्षणिक निदान एवं उपचारात्मक शिक्षण, क्रियात्मक अनुसंधान।

इकाई 3 – भाषा शिक्षण

भाषा का आधार, सामाजिक आधार, दार्शनिक आधार, मनोवैज्ञानिक आधार, भाषा शिक्षण के उद्देश्य, भाषा शिक्षण की प्रचलित विधियां, प्रयोजना विधि, प्रयोजना विधि के गुण, दोष एवं सीमाएँ, प्रत्यक्ष विधि, प्रत्यक्ष विधि के गुण, दोष एवं सीमाएँ, व्याकरण विधि, व्याकरण विधि के गुण, दोष एवं सीमाएँ, अनुवाद विधि, अनुवाद विधि के गुण, दोष एवं सीमाएँ, व्याख्यान विधि, व्याख्यान विधि के गुण, दोष एवं सीमाएँ, प्रयोगशाला विधि, प्रयोगशाला विधि के गुण, दोष एवं सीमाएँ, भाषा शिक्षण में शिक्षण सूत्र।

इकाई 4 – प्रमुख भाषाई कौशल

श्रवण कौशल, श्रवण कौशल का अर्थ, श्रवण कौशल शिक्षण का महत्व, श्रवण कौशल शिक्षण के उद्देश्य, श्रवण कौशल की विकासात्मक क्रियाएँ, श्रवण कौशल शिक्षण की विधियाँ, वाचन कौशल, वाचन कौशल का अर्थ, वाचन कौशल का महत्व, वाचन कौशल का उद्देश्य, वाचन कौशल की विकासात्मक क्रियाएँ, वाचन कौशल की शिक्षण विधियाँ, पठन कौशल, पठन कौशल का अर्थ, पठन कौशल का महत्व, पठन कौशल का उद्देश्य, पठन कौशल की विकासात्मक क्रियाएँ, पठन कौशल की शिक्षण विधियाँ, लेखन कौशल, लेखन कौशल का अर्थ लेखन कौशल का महत्व, लेखन कौशल का उद्देश्य, लेखन कौशल की विकासात्मक क्रियाएँ, लेखन कौशल की शिक्षण विधियाँ।

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

बी. एड. प्रथम वर्ष

प्रश्न पत्र – पंचम

गणित शिक्षण

इकाई – 1 गणित संप्रत्यय, उदेश्य, प्रकृति एवं इतिहास

गणित क्या है, गणित की प्रकृति, गणित शिक्षण के उदेश्य एवं प्राप्य उदेश्य, उदेश्य एवं प्राप्य उदेश्य का अर्थ एवं उनमें अन्तर, गणित शिक्षण के उदेश्य, मूल्य आधारित उदेश्य, शिक्षा के विभिन्न स्तरों के अनुरूप गणित शिक्षण के सामान्य उदेश्य, ब्लूम वर्गीकरण के आधार पर गणित शिक्षण के उदेश्य, गणित की संरचना, गणित में आगमन – निगमन तर्क, गणित का इतिहास, भारतीय गणितज्ञों का योगदान।

इकाई – 2 गणित शिक्षण की विधियँ, संकल्पना मानचित्रण एवं अन्य विषयों के साथ संबंध

गणित की विधियां – विश्लेषण विधियां, संश्लेषण विधि, आगमन विधि, निगमन विधि, हयूरिस्टिक विधि या अनुसंधान विधि, प्रयोगशाला विधि, व्याख्यान विधि, योजना विधि, समस्या समाधान विधि,

गणित संकल्पनाओं का संज्ञानात्मक मानचित्रण, गणित के प्रकरणों पर संम्प्रत्यय विश्लेषण, गणित का अन्य विषयों के साथ संबंध, गणित अध्यापक।

इकाई – 3 गणित का पाठ्यक्रम एवं योजना

गणित का पाठ्यक्रम – पाठ्यक्रम का अर्थ, गणित पाठ्यक्रम की उपयोगिता, पाठ्यक्रम का विकास, गणित का सामान्य शिक्षा में स्थान, गणित में पाठ्यक्रम निर्माण के सिद्धांत, पाठ्यवस्तु में प्रयुक्त सिद्धांत एवं इसकी उपयोगिता, गणित पाठ्यचर्या की विशेषताएं (गुण), गणित के वर्तमान पाठ्यक्र में दोष, पाठ्यक्रम तथा पाठ्यचर्या में अन्तर, गणित की पाठ्यचर्या की विशेषताएं, गणित शिक्षण में योजना, वार्षिक योजना, इकाई योजना, पाठ योजना।

इकाई – 4 आसानी से गणित कैसे सिखायें, गणित का मूल्यांकन

गणित में रूचि जागृत करना, गणित क्लब एवं मनोरंजन क्रियाएं, गणित प्रयोगशाला एवं शिक्षण सहायक सामग्री, गणित में मौखिक कार्य, गृह कार्य, स्वअध्ययन, गणित की पाठ्यपुस्तक, गणित शिक्षण में मूल्यांकन, गणित में निदान एवं उपचारात्मक शिक्षण, गणित विशेष प्रकार के बालकों की शिक्षा।

बी.एड. प्रथम वर्ष
प्रश्न पत्र – षष्ठम्
सामाजिक विज्ञान शिक्षण

इकाई 1 – सामाजिक विज्ञान की प्रकृति एवं विधियां

सामाजिक विज्ञान के दार्शनिक एवं सैद्धांतिक आधार, सामाजिक विज्ञान की प्रकृति, घटनाओं का बहु–विकल्पिक परिप्रेक्ष्य, सामाजिक विज्ञान का विद्यालय विषय के रूप में विकास व प्रवृत्तियां, सामाजिक विज्ञान तथा सामाजिक समस्याओं में संबंध, सामाजिक विज्ञान का अन्य विषयों के साथ संबंध, सामाजिक विज्ञान शिक्षण में समसामाजिक घटनाओं का बालक की स्वाभाविक जिज्ञासा को प्राकृतिक घटनाओं से संबंध कराना।

इकाई 2 – सामाजिक विज्ञान शिक्षण के उद्देश्य एवं लक्ष्य

सामाजिक विज्ञान शिक्षण के उद्देश्य एवं लक्ष्य, सामाजिक विज्ञान शिक्षण का इतिहास, शिक्षण आव्यूह विधियां, शिक्षण आव्यूह का अर्थ, शिक्षण आव्यूह की परिभाषा, शिक्षण आव्यूह की विषेशताएँ, शिक्षण आव्यूह के प्रकार, शिक्षण विधि का अर्थ, शिक्षण विधि की परिभाषा, सामाजिक विज्ञान शिक्षण की प्रमुख विधियाँ, शिक्षण आव्यूह तथा शिक्षण विधियों में अंतर, सामाजिक विज्ञान में आव्यूह की विशेषताएँ, सामाजिक विज्ञान शिक्षण विधि की विशेषताएँ, सामाजिक विज्ञान शिक्षण में पाठ्य सहगामी गतिविधियां, पाठ्य सहगामी क्रियाओं का अर्थ, पाठ्य सहगामी क्रियाओं के उद्दश्य, पाठ्य सहगामी क्रियाओं का महत्व, पाठ्य सहगामी क्रियाओं की विशेषताएँ, पाठ्य सहगामी क्रियाओं के संगठन के सिद्धान्त।

इकाई 3 – सामाजिक विज्ञान में शिक्षण अधिगम संस्थान

अवधारणा, उपयोगिता महत्व, शिक्षण सामग्री का चयन, सावधानियाँ, वर्गीकरण, शिक्षण सहायक सामग्री का मूल्यांकन, सामाजिक विज्ञान की कक्षा, सामाजिक विज्ञान के प्रयोगशाला, सामाजिक विज्ञान संग्रहालय व प्रदर्शनियां, सामाजिक विज्ञान सामुदायिक वातावरण, सामाजिक विज्ञान पुस्तकालय, पुस्तकालय का महत्व, पुस्तकालय का संगठन, पुस्तकालय के स्रोत, पुस्तकालय का प्रबन्ध।

इकाई 4 – सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक

पाठ्य पुस्तक का अर्थ एवं परिभाषा, पाठ्य पुस्तक की विशेषताएं, पाठ्य पुस्तक की उपयोगिता, पाठ्य पुस्तक चयन के सिद्धांत, सामाजिक विज्ञान की पाठ्य पुस्तक का निर्माण, पाठ्यपुस्तक का मूल्यांकन, पाठ्यपुस्तकों के मूल्यांकन के मापदण्ड, सामाजिक अध्ययन के शिक्षक का महत्व, सामाजिक अध्ययन के शिक्षक के कार्य, सामाजिक अध्ययन के शिक्षक के गुण, सामान्य गुण, विशिष्ट गुण, व्यावसायिक गुण, सामाजिक अध्ययन के शिक्षक की समस्या एवं समाधान।

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

बी.एड. प्रथम वर्ष
प्रश्न पत्र – पष्ठम्
विज्ञान शिक्षण

इकाई 1 – विज्ञान का अर्थ, प्रकृति, इतिहास, मूल्य एवं उद्देश्य

विज्ञान क्या है?, प्रकार्यात्मक दृष्टि से विज्ञान का अर्थ, विज्ञान की विभिन्न शाखाएँ (क्षेत्र), विज्ञान की प्रकृति, विज्ञान की आवश्यकता, विज्ञान का महत्व, वैज्ञानिक विधि की आवश्यकता, वैज्ञानिक अभिवृत्ति, विज्ञान का इतिहास, भारत में विज्ञान शिक्षा का प्रादुर्भाव, विज्ञान शिक्षा के मूल्य, विज्ञान शिक्षण के लक्ष्य/उद्देश्य, विज्ञान शिक्षण के अनुदेशनात्मक उद्देश्य, व्यावहारगत् उद्देश्यों का वर्गीकरण, ब्लूम द्वारा प्रस्तुत विज्ञान शिक्षण के लक्ष्य/उद्देश्य, पाप्य उददश्यों को अपेक्षित व्यवहारगत परिवर्तनों के रूप में लिखना, शैक्षिक उददेश्यों के वर्गीकरण से शिक्षकों को लाभ/उपादेयता, शिक्षण उददेश्यों/अनुदेशनात्मक व्यवहार का विशिष्टिकरण, अनुदेशात्मक उददेश्यों को व्यवहारगत पदों में लिखने के उदाहरण, विज्ञान शिक्षण के भविष्योन्मुखी उद्देश्य।

इकाई 2 – विज्ञान शिक्षण की विधियां, प्रविधियां, विज्ञान का अन्य क्षेत्रों से संबंध

विज्ञान शिक्षण की विधियां, शिक्षण विधि की परिभाषाएँ, शिक्षण विधि के तत्व, अच्छी शिक्षण विधि की विशेषताएँ, शिक्षण विधि का महत्व, अवलोकन विधि, शैक्षिक भ्रमण विधि, प्रयोग प्रर्दशन विधि, अनवेषण या अनुसंधान विधि, प्रयोजना विधि, प्रश्नउत्तर परिचर्चा विधि, खेल विधि, आगमन–निगमन विधि, विश्लेषण–संश्लेषण विधि, प्रयोगशाला विधि, समस्या सामाधान विधि, दल शिक्षण विधि, खोज उपागम विधि, पाठ्य–पुस्तक विधि, अभिक्रमित अधिगम, अभिक्रमित अधिगम के प्रकार, विज्ञान की प्रविधियां, लिखित, मौखिक, अभ्यास तथा गृहकार्यबद्ध, विज्ञान में लिखित कार्य का महत्व तथा उददेश्य, विज्ञान में अभ्यास कार्य, विज्ञान में मौखिक कार्य, विज्ञान में गृहकार्य, विज्ञान में पर्यवेक्षित अध्ययन, विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों एवं अन्य विषयों से सहसंबंध, सहसंबंध का अर्थ, सहसंबा का प्रकार, विज्ञान का दैनिक जीवन से सहसंबंध।

इकाई 3 – विज्ञान का पाठ्यक्रम, योजना, संकल्पना मानचित्र, शिक्षण सामग्री

पाठ्यक्रम की अवधारणा, विज्ञान के पाठ्यक्रम विकास के सिद्धान्त, विज्ञान के पाठ्यक्रम विकास के चरण, पाठयक्रम मूल्यांकन की कसौटियां, विज्ञान पाठ्यचर्या/पाठ्य विवरण, विज्ञान पाठ्यचर्या निर्धारण के सिद्धान्त, विज्ञान में संज्ञानात्मक संकल्पना मानचित्र, विज्ञान में योजना, योजना का अर्थ, विज्ञान में वार्षिक योजना, विज्ञान में इकाई योजना, विज्ञान में पाठ्य योजना, हर्बट की पंचपदीय प्रणाली, विज्ञान में श्रव्य–दृश्य सामग्री, विज्ञान में आशुरचित उपकरण, विज्ञान में संदर्भित विशिष्ट शिक्षण सामग्री, संदर्भित विशिष्ट शिक्षण सामागी का अर्थ, विज्ञान संदर्भित विशिष्ट शिक्षण सहायक सामाग्री का निर्माण, विज्ञान संदर्भित विशिष्ट शिक्षण सहायक सामाग्री का मूल्यांकन, विज्ञान किट।

बी.एड. प्रथम वर्ष
प्रश्न पत्र – सप्तम
प्रदर्शनकारी कला एवं शिक्षण

इकाई 1 – प्रदर्शनकारी कलाएं

शिक्षा के सन्दर्भ में प्रदर्शनकारी कलाओं का स्थान एवं महत्व, कलाएं प्रदर्शन के सन्दर्भ में, कला का अर्थ, कला की परिभाषा, कला के तत्व, संक्षिप्त इतिहास –नाट्य कला।

इकाई 2 – संगीत का उदभव (भौतिक,अतिभौतिक,मानसिक अथवा मनोवैज्ञानिक)

संगीत की विकास यात्रा सिंधु – वैदिक सभ्यता के लेकर आधुनिक युग तक, वैदिक काल में संगीत, जैन काल, बौद्ध काल, पौराणिक काल, स्मृति ग्रन्थों में संगीत, मौर्य काल, कनिष्क काल, गुप्त काल, यवन काल, खिलजी काल, मुगल काल, प्रायोगिक अभ्यास (गायन) – स्वर अभ्यास, स्वरों पर दिये गये चिन्हों का स्पष्टीकरण, (भातखण्डे पद्धति),स्वर बोध – अभ्यास, प्रायोगिक अभ्यास (नाट्य) – स्वर अभ्यास,वहन शक्ति,स्वरमान, भ्रमण सीमा और लोच, प्रायोगिक प्रदर्शन गायन, प्रायोगिक प्रदर्शन नाट्य।

इकाई 3 – भारतीय नृत्य, सगीत एवं नाट्य के प्रकार एवं परिचय

भारतीय नृत्य कला, भारतनाट्यम, कथकली, मणिपुरी, कथक, कुचिपुणी, ओणिसी, मोहिनीअट्टम, भारतीय संगीत के प्रकार, हिन्दुस्तानी संगीत, कर्नाटक संगीत, हिन्दुस्तानी गायन शैलियां (ध्रूवपद,खयाल, तराना, ठुमरी, टप्पा, गजल कर्नाटक संगीत शैलियां कृति, रागम–तानम–पल्लवी, तिल्लाना, पद्म तथा जावलि, कीर्तनम) , वाद्यो के प्रकार (तत वाद्य, सुषिर वाद्य अवनध्द वाद्य, गहन वाद्य), नाट्य के प्रकार एवं परिचय (नाटक, प्रकरण, समवकार, ईहामृग, डिम, भाण, वीथी, प्रहसन, उत्सृष्टिकांक), लोक संगीत के विभिन्न प्रकार, विभिन्न प्रदेशों की लोकप्रियगीत शैली (धुनें) व नृत्य, प्रायोगिक अभ्यास– पद गायन एवं लय –1, प्रायोगिक अभ्यास 2, नाट्य के विभिन्न अवयव या घातक,प्रायोगिक प्रदर्शन।

इकाई 4 – स्वर, थाट एवं रागशास्त्र का संक्षिप्त परिचय

स्वर – शुद्ध स्वर, शुद्ध तीव्र तथा विकृत कोमल स्वर, ठाठ, दस ठाठ तथा उनके सांकेतिक चिन्ह, रागशास्त्र और उसका संक्षिप्त परिचय, राग के कुछ आवश्यक तथ्य, प्रायोगिक – विभिन्न रागों को सुनना – सुनाना, एक परिचय, नाट्य में धर्मिताएं, काकु प्रयोग नाट्य एवं गायन के विशेष सन्दर्भ में, विद्यालय स्तर पर प्रदर्शनकारी कलाओं को प्रयोग शिक्षा के विशेष सन्दर्भ में, पूर्व माध्यमिक स्तर, उच्च माध्यमिक स्तर, माध्यमिक स्तर, उच्चतर माध्यमिक स्तर।

VERIFIED
Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

इकाई 4 – विज्ञान में अतिरिक्त क्रियाओं का संगठन, विज्ञान शिक्षक एवं मूल्यांकन

विज्ञान में अतिरिक्त क्रियाओं का संगठन, विज्ञान क्लब, विज्ञान मेला/प्रदर्शनी विज्ञान संग्रहालय, विज्ञान प्रयोगशाला, कम्प्यूटर सह अधिगम/अनुदेशन, पाठ्यपुस्तक और उसकी आवश्यकता, विज्ञान शिक्षण में पाठ्यपुस्तक के प्रकार्य, एक अच्छी पाठ्यपुस्तक के अभिलाक्षणिक गुण, विज्ञान पाठ्यपुस्तक की सीमाएँ, विज्ञान की पाठ्यपुस्तक का मूल्यांकन, विज्ञान शिक्षण और उसकी समस्याएं तथा समाधान, विज्ञान शिक्षा और शिक्षक, सफल विज्ञान शिक्षक के गुण, विज्ञान शिक्षक के दायित्व और प्रकार्य, विज्ञान शिक्षक का व्यावयसायिक संवर्धन, विज्ञान शिक्षण में मूल्यांकन, विज्ञान शिक्षण में मूल्यांकन के प्रकार्य, मूल्यांकन का अर्थ एवं अवधारणा, मूल्यांकन की आवश्यकता, उददेश्य, विशेषताएँ एवं महत्व, मूल्यांकन के उपकरण, उददेश्यनिष्ठ मूल्यांकन की विशेषताएँ, वस्तुनिष्ठ परीक्षा, निबंधात्मक परीक्षा, आदर्श प्रश्नपत्र निर्माण, अच्छे प्रश्नपत्र की विशेषताएँ, विज्ञान शिक्षण में प्रायोगिक कार्य, निदानात्मक परीक्षण एवं उपचारात्मक शिक्षण, विज्ञान शिक्षा में पुस्तकालय, विज्ञान में प्रश्न बैक खुली पुस्तक परीक्षा।

विद्यालय प्रबंधन एवं नेतृत्व

इकाई– 1 : विद्यालय प्रबंधन

विद्यालय प्रबंधन की अवधारणा एवं क्षेत्र, प्रबन्धन का अर्थ एवं परिभाषा, प्रबन्धन की विशेषताएँ, प्रबन्धन अथवा प्रशासन की परिभाषा, प्रबन्धन के आयाम, प्रबन्धन की अवधारणा, प्रबन्धन का क्षेत्र, भारत में विद्यालय प्रबन्धन, विद्यालय प्रबंधन के विभिन्न चरण, प्रबंधन के सिद्धान्त–क्लासिकल,नियो–क्लासिकल एवं आधुनिक

इकाई– 2 : विद्यालय प्रबंधन की गतिविधियाँ

वार्षिक कैलेन्डर, दैनिक कार्यक्रम की योजना, समय सारणी, स्टाफ मीटिंग, छात्रों की समस्याएँ, विद्यालय संसाधनों का प्रबंधन

इकाई 3. विद्यालय संगठन

विद्यालय संगठन – अर्थ, विशेषताएँ, क्षेत्र, विद्यालय संगठन तथा प्रशासन, विद्यालय का अन्य शैक्षिक संस्थानों से सम्बन्ध, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (DIET), राज्य शिक्षा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (SCERT), राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (NCERT), राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (NCTE), अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय (CTE)

इकाई – 4 नेतृत्व

नेतृत्व का अर्थ, प्रभुत्व और नेतृत्व में अंतर, प्रशासन और नेतृत्व में अंतर, नेतृत्व की विशेषताएं, नेतृत्व के लिए आवश्यक गुण, शैक्षिक नेतृत्व का अर्थ, शैक्षिक नेतृत्व में बाधाएं, नेतृत्व की संभावनाएं, संगठन में संसाधनों का प्रबन्धन, शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन में समुदाय की सहभागिता

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

शिक्षा तकनीकी

इकाई– 1 : शैक्षिक तकनीकीरू प्रत्यय, प्रकृति एवं क्षेत्र

शैक्षिक तकनीकीः प्रत्यय, क्षेत्र एवं महत्व, शैक्षिक तकनीकीः प्रत्यय, शैक्षिक तकनीकीः क्षेत्र एवं महत्त्व, शैक्षिक तकनीकी के प्रकारः शिक्षण तकनीकी, अनुदेशन तकनीकी एवं व्यवहार तकनीकी, शिक्षण तकनीकी, अनुदेशन तकनीकी, व्यवहार तकनीकी, शैक्षिक तकनीकी के उपागम– हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, तंत्र एवं संप्रेषण मनोविज्ञान, शिक्षण के प्रकार– अनुकूलन, प्रशिक्षण, मतारोपण एवं अनुदेशन, शिक्षा में तकनीकी की भूमिका

इकाई– 2 : संप्रेषण एवं अनुदेशन

अनुदेशन तंत्र में संप्रेषण की प्रभावात्मकता, संप्रेषण – प्रकार, प्रक्रिया एवं बाधकतत्व, संप्रेषण के प्रकार, संप्रेषण की प्रक्रिया, संप्रेषण के बाधक तत्व, शिक्षा में जन संचार के द्वारा संप्रेषण के माध्यम, कार्य विश्लेषण की अवधारणा, अनुदेशन के युक्तियाँ एवं अनुदेशन के माध्यम, अनुदेशन के युक्तियाँ, अनुदेशन के माध्यम, शिक्षा एवं प्रशिक्षणरू प्रत्यक्ष, दूरस्थ एवं अन्य वैकल्पिक माध्यम

इकाई– 3 : अनुदेशन प्रारूप

अनुदेशन प्रारूपः प्रत्यय, प्रक्रिया एवं अनुदेशन प्रारूप के विकास की अवस्थाएँ, अभिक्रमित अनुदेशनः उत्पत्ति एवं प्रकार– रेखीय, शाखीय एवं मैथेटिक्स अभिक्रम, अभिक्रमित अनुदेशन सामग्री का निर्माण, अनुदेशन नीतियाँरू व्याख्यान, वार्तालाप, संगोष्ठी एवं टूटोरिअल, टेली कॉन्फ्रेंसिंग, देशव्यापी कक्षा परियोजना, उपग्रह आधारित अनुदेशन

इकाई–4 : शिक्षक व्यवहार में सुधार

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

शैक्षिक निर्देशन एवं परामर्श

इकाई– 1 :

निर्देशन का अर्थ, निर्देशन की प्रकृति, निर्देशन के कार्य, शैक्षिक, व्यावसायिक तथा व्यक्तिगत निर्देशन, शैक्षिक निर्देशन, व्यावसायिक निर्देशन, व्यक्तिगत निर्देशन, राष्ट्रीय विकास के लिए निर्देशन, निर्देशन की ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि, प्राचीन भारत में निर्देशन, प्राचीन यूनान में निर्देशन, आधुनिक काल में निर्देशन, निर्देशन के उद्देश्य, प्राथमिक स्तर पर निर्देशन के उद्देश्य, माध्यमिक स्तरर पर निर्देशन के उद्देश्य, महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालय स्तलर पर निर्देशन के उद्देश्य, निर्देशन के सिद्धान्त, निर्देशन में परीक्षणों एवं उपकरणों की भूमिका, बुद्धि परीक्षण, उपलब्धि परीक्षण, योग्यता परीक्षण, व्यक्तित्व् परीक्षण, संचयित रिकार्ड, वास्तविक रिकार्ड, मामला अध्ययन, साक्षात्कार, सामाजिक तकनीकी

इकाई – 2 : व्यावसायिक निर्देशन

व्यावसायिक निर्देशन, व्यावसायिक चयन, व्यावसायिक विकास, विकासात्मक कार्य, निर्धारक एवं सिद्धांत, विकासात्मक कार्य, व्यावसायिक चयन एवं विकास के, व्यावसायिक चयन एवं कर्मचारी चयन, कार्य विश्लेषण, कार्य विवरण एवं कार्य विशिष्टीकरण, कार्य–विश्लेषण में सूचना के स्त्रोत, कर्मचारी विश्लेषण, प्रमुख कर्मचारी चयन विधियां, व्यावसायिक समायोजन, व्यावसायिक समायोजन के सिद्धांत, व्यावसायिक निर्देशन में मनोवैज्ञानिकों की भूमिका

इकाई– 3 : समायोजन

समायोजन, समायोजनात्मक प्रक्रिया के घटक, समायोजन के विविध क्षेत्र, व्यक्तिगत समायोजन, शारीरिक विकास और स्वास्थ्य संबंधी समायोजन, मानसिक विकास और स्वास्थ्य समायोजन, संवेगात्मक समायोजन, लैंगिक समायोजन, व्यक्तिगत आवश्यकताओं से संबंधित समायोजन, सामाजिक समायोजन, घर – परिवार से समायोजन, मित्र और संबंधियों से समायोजन, पड़ोसियों तथा समुदायों के अन्य सदस्यों से समायोजन, व्यावसायिक समायोजन, एक भली भांति समायोजित व्यक्ति की विशेषताएं, कुसमायोजन, कुसमायोजन के कारण, व्यक्तिगत निर्देशन, समायोजन की प्रक्रिया में विद्यालय और शिक्षकों की भूमिका

इकाई– 4 : परामर्श

परामर्श– संकल्पना, अर्थ एवं परिभाषा, विभिन्न परामर्श सिद्धांत, परामर्श की विधियाँ एवं तकनीक, परामर्श के लिए साक्षात्कार की आवश्यकता, परामर्श में हाल की प्रवृत्तियाँ, परामर्श और मार्गदर्शन में शोध, परामर्श और मार्गदर्शन में अंतर, विद्यालय में मार्गदर्शन एवं परामर्श सेवा, विशिष्ट बालकों के लिए परामर्श

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

ज्ञान एवं पाठ्यचर्या

इकाई– 1 : ज्ञान मीमांसा एवं शिक्षा का सामाजिक सन्दर्भ

ज्ञान मीमांसा की संकल्पना, सामाजिक शिक्षा की संकल्पना, ज्ञान और कौशल, अध्यापन और प्रशिक्षण, ज्ञान, तर्क एवं विश्वास, विद्यार्थी केन्द्रित शिक्षा, क्रियाकलाप, खोज एवं संवाद की संकल्पकना रू गांधी, डीवी और प्लेटो के सन्दर्भ में, प्रगति की जाँच के लिए अपेक्षित प्रश्न

इकाई – 2 : पाठ्यक्रम–शिक्षा समाज और आधुनिक मूल्य

समाज, संस्कृति और आधुनिकता, औद्योगीकरण, लोकतंत्र एवं वैयक्तिक स्वायत्ता, अम्बेडकर के संदर्भ में आधुनिक मूल्य, वैयक्तिक अवसर, सामाजिक न्याय एवं नैतिकता और शिक्षा, राष्ट्रीयता, वेश्विकता एवं धर्म निरपेक्षता का शिक्षा से अंतर्सम्बन्ध

इकाई– 3 : पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम का अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य, पाठ्यक्रम की रूपरेखा, पाठ्यक्रम के निर्माण में सहभागी घटक, पाठ्यक्रम विकास के उपागम, पाठ्यक्रम निर्माण की प्रक्रिया, पाठ्यक्रम मूल्यांकन की प्रक्रियाएँ, पाठ्यक्रम निर्माण में शासन की भूमिका, पाठ्यक्रम निर्माण में सामाजिक घटकों की भूमिका

इकाई– 4 : इकाई रचना

पाठ्यक्रम का अर्थ, पाठ्यचर्या और पाठ्यक्रम में संबंध, पाठ्यक्रम के उद्देश्य, पाठ्यचर्या की आवश्यकता एवं महत्व, पाठ्यचर्या के प्रकार, समय सारिणी का अर्थ, समय सारिणी की आवश्यकता तथा महत्व, समय सारिणी के प्रकार, समय सारिणी के सिद्धांत, समय सारिणी बनाने में कठिनाइयाँ, मुख्याध्यापक तथा समय–सारिणी, पाठ्य–पुस्तकों का महत्व, पाठ्य–पुस्तकों की विशेषताएँ, पाठ्य–पुस्तकों की समीक्षा

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

मानवाधिकार एवं शांति शिक्षा (वैकल्पिक विषय)

इकाई– 01 : मानवाधिकार

मानवाधिकर का अर्थ, मानवाधिकार की व्यापकता, मानवाधिकार की प्रकृति, मानव अधिकार की प्रकृति एवं परिप्रेक्ष्य, अनैच्छिक कर्म, ऐच्छिक कर्म, सामाजिक व्यवहार (जीवन), अनिवार्यता (Inevitability), कर्तव्य का पालन करने की चेतना से प्ररित कर्म, मानवाधिकार का क्षेत्र, मानवाधिकारों के वर्ग, प्राकृतिक अधिकार, नैतिक अधिकार, मौलिक अधिकार, कानूनी अधिकार, नागरिक एवं राजनीतिक अधिकार, आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार, मानवाधिकार रू सामाजिक, संस्कृतिक एवं ऐतिहासिक सन्दर्भ, मानवाधिकार की आवश्यकता, मानवाधिकार का समकालीन परिदृश्य, स्त्री अधिकार, संयुक्त राष्ट्र संघ अधिनियम, 1979, संविधान, कानून और महिलाएं, प्रमुख नियम, अधिनियम, संविधान, कानून और महिलाएं, भारतीय दण्ड संहिता, 1860, हिन्दु उत्तराधिकार अधिनियम, 1956, हिन्दु विवाह अधिनियम, 1956, मुस्लिम विवाह दृविच्छेद अधिनियम, 1939, महिलाओं एवं लड़कियों के अधिनियम,1956, चलचित्र अधिनियम,1952, स्त्री अशिष्ट (प्रतिबंध) अधिनियम,1986, अपराधिक कानून(संशोधन) अधिनियम, 1986, मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961, विशेष विवाह अधिनियम, 1954, मानवाधिकार को सुनिश्चित करने में चुनौतियाँ, दलित अधिकार, भारत के अल्प संख्यकों की श्रेणियां, वंचित वर्ग

इकाई– 2 : मानवाधिकार का नीतिगत परिप्रेक्ष्य

मानवाधिकार के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रहे प्रयास, मानवाधिकार के लिए अंतरराष्ट्रीय घोषणा पत्र, मानवाधिकार सम्बन्धी घोषणा पत्र के मुख्य तत्व और विशेषता, नागरिक अधिकार कानून, सामाजिक सांस्कृतिक अधिकार कानून, भारतीय संविधान की भूमिका, मानवाधिकार आयोग, संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना

इकाई– 3 : शांति शिक्षा के सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य

शांति शिक्षा का उद्भव एवं विकास–ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्यय में, स्त्री, दलित एवं शांति शिक्षा, सांस्कृतिक समन्वय, लोकतांत्रिक मूल्य, धर्मनिरपेक्षतावाद, उत्तरदायी नागरिकता एवं शांति शिक्षा, शांति शिक्षा की चुनौतियाँ सामुदायिक एवं साम्प्रदायिक संघर्ष, जीवनशैली के रूप में शांति के लिए शिक्षा

इकाई– 4 : शांति शिक्षा के दार्शनिक परिप्रेक्ष्य

शांति शिक्षा के संदर्भ में महात्मा गाँधी के विचार, टैगोर और गांधी, शिक्षा के संदर्भ में महर्षि अरविन्द के विचार, शांति शिक्षा के संदर्भ में जे. कृष्णमूर्ति के विचार, दलाई लामा : विश्व शांति को लेकर मानवीय दृ ष्टिकोण, शांति शिक्षा के संदर्भ में पाउलो फ्रेरे के विचार, शांति शिक्षा के प्रसार में विद्यालय एवं शिक्षक की भूमिका

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

जेंडर, विद्यालय एवं समाज (वैकल्पिक विषय)

इकाई– 1 परिचय : जेंडर

जेंडर, लिंग, पितृसत्ता, स्त्रीत्व और पुरूषत्व, जेंडर रूढ़ियाँ, जेंडर के मनोसामाजिक परिप्रेक्ष्य, धुर (रैडिकल) नारीवादी, समाजवादी नारीवादी

इकाई– 2 : जेंडर आधारित समाजीकण की प्रक्रिया

जेंडर आधारित समाजीकरण की प्रक्रिया, जेंडर आधारित पहचान के विकास में परिवार, समुदाय, विद्यालय और अन्य सामाजिक संगठनों द्वारा समाजीकरण की भूमिका का आलोचनात्मक अध्ययन, भारतीय संदर्भ में हुए नृजातीय अध्ययन

इकाई– 3 : लड़कियों की शिक्षा

लड़कियों की शिक्षा– असमानता और प्रतिरोध, भारत में महिला शिक्षा का इतिहास, भारत में लड़कियों की शिक्षा की वर्तमान स्थिति एवं चुनौतियाँ, स्त्रीवादी दृष्टिकोण से शिक्षा के अवसरों की असमानता की व्याख्या, मीडिया और अन्य लोकप्रिय माध्यमों की भूमिका का विश्लेषण

इकाई– 4 : विद्यालयों में जेंडर असमानता

स्कूली अनुभवों जैसे पाठ्यचर्या, शिक्षणशास्त्र और विद्यालय गतिविधियों की स्त्रीवादी दृष्टि व्याख्या, विद्यालय पाठ्यचर्या की स्त्रीवादी दृष्टि से व्याख्या, विद्यालय शिक्षणशास्त्र की स्त्रीवादी दृष्टि से व्याख्या, विद्यालय गतिविधियों की स्त्रीवादी दृष्टि से व्याख्या, जेंडर के संदर्भ में प्रच्छन्न पाठ्यक्रम, कक्षागत प्रक्रियाओं द्वारा जेंडररुढ़ियों का पुनर्बलन, जेंडर संवेदनशील शिक्षाशास्त्र, जेंडर की दृष्टि से विद्यालयी अनुभवों पर मनन एवं युक्तियाँ, शिक्षकों की संवेदनशीलता

VERIFIED

REGISTRAR
Pt. Sunderlal Sharma (Open)
University Chhattisgarh
BILASPUR (C.G.)

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur